मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 213 ■ गुरुवार, 14 नवंबर 2024 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play install now /ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

योगी ने मीरा-भाईंदर से की कुमार आयलानी को जिताने की अपील

- उल्हासनगर का दौरा हुआ रद्द
- एंटीलिया मैदान में योगी की सभा में उमड़ी भारी भीड़
- योगी आदित्यनाथ ने किया मीरा-भायंदर में सभा को संबोधित

उल्हासनगर। उल्हासनगर में 13 नवंबर को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भव्य जनसभा का आयोजन किया गया था। लेकिन मीरा-भाईंदर की सभा में देरी के कारण उनकी उल्हासनगर की सभा को रद्द कर दिया गया। मंत्री रविंद्र चव्हाण ने बताया कि लाइट कम होने के कारण उनके हेलीकॉप्टर को अंबरनाथ के चिखलोली में बनाए गए हेलीपैड पर उतरने की अनुमति नहीं दी गई जिस कारण उनका उल्हासनगर का दौरा रद्द कर दिया गया है। योगी का दौरा रद्द होने से उनको देखने आए सैकड़ों लोग मायूस हो गए। लेकिन उन्होंने मीरा-भाईंदर की सभा से ही उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार कुमार आयलानी को जीताने की अपील की है। उन्होंने कहा उल्हासनगर में मुझे आना था लेकिन नागपुर व आस पास के क्षेत्र में सभाएं होने के कारण वहां नहीं पहुंच पाया।

उल्हासनगर में त्रिकोणीय मुकाबला

विधानसभा चुनाव अंतिम चरण में जीत के लिए उम्मीदवारों ने फूंकी पूरी ताकत

उल्हासनगर विधानसभा चुनाव 2024

- चुनाव में शह मात का खेल जोरों पर
- 20 नवंबर को होगा मतदान

उल्हासनगर. उल्हासनगर विधानसभा चुनाव प्रचार अब अंतिम चरण में पहुंचने जा रहा है। बुधवार 20 नवंबर को होने जा रहे चुनाव में प्रचार का शोर 18 नवंबर तक समाप्त हो जाएगा यानी अब उम्मीदवारों को एक सप्ताह से भी कम का समय रह गया है चुनाव प्रचार और लोगों तक पहुंचने के लिए।

उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से 19 उम्मीदवार मैदान में है जिसमें वर्तमान विधायक भाजपा के कुमार आयलानी, राकांपा से ओमी कालानी, महायुति के बागी भारत राजवानी गंगोत्री, मनसे से भगवान भालेराव, वंचित आघाडी से संजय गुप्ता आदि अपक्ष व अन्य छोटे पक्ष के उम्मीदवारों का समावेश है। सभी उम्मीदवार घर-घर जाकर प्रचार कर रहे हैं लेकिन शहर में तीन उम्मीदवार ही ऐसे हैं जिनका प्रचार जोरों पर चल रहा है जिसमें कुमार आयलानी, ओमी कालानी व भारत गंगोत्री। यह तीनों नेताओं की ही चर्चा शहर में चल रही है। तीनों ही इस उल्हासनगर विधानसभा सीट के लिए रेस में

तेजी से भाग रहे हैं। इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यहां त्रिकोणीय मुकाबला है।

उल्हासनगर शहर की खस्ता हालत को देखते हुए सत्तापक्ष व विपक्ष के उम्मीदवारों को मतदाताओं के आक्रोश का भी सामना करना पड़ा बावजूद उम्मीदवार अपना प्रचार जोरों पर कर रहे हैं। एक तरफ भाजपा से कुमार आयलानी महायुति में शामिल शिवसेना, आरपीआय की बदौलत अपना प्रचार कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ महाविकास आघाड़ी से राकांपा उम्मीदवार ओमी कालानी भी शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट व कांग्रेस की मदद से अपनी ताकत लगा रहे हैं। यह दोनों ही एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप और शह मात का खेल खेलने में लगे हुए हैं। दोनों उम्मीदवारों के प्रचार हेतु दिग्गजों ने सभा ली हुई है।

2,83,379
मतदाता करेंगे मतों का उपयोग

वहीं इन दोनों को टक्कर देने के लिए महायुति के ही अजित पवार गुट के बागी अपक्ष उम्मीदवार भारत राजवानी गंगोत्री जो उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं उन्होंने अपने बैट के साथ प्रचार के चौके छक्के लगाकर इस मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। इस क्षेत्र में सिंधी समाज का वर्चस्व है ऐसे में गंगोत्री तीसरे विकल्प के रूप में इस क्षेत्र में मैदान में उतरकर मुकाबला दिलचस्प किए हुए हैं।

अब देखना है कि शहरवासी किसे अपना नेता चुनते हैं। ज्ञात हो कि उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में 2,83,379 मतदाता हैं। मतदान के लिए पुलिस व प्रशासन पूरी तरह तैयार है।

चुनाव में गंगोत्री वन मैन शो

अपक्ष उम्मीदवार भारत गंगोत्री पड़ेंगे सब पर भारी

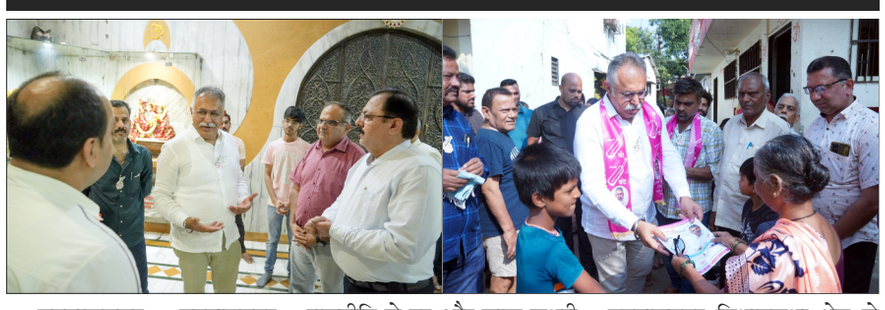

उल्हासनगर. उल्हासनगर विधानसभा चुनाव में अब बस एक ही सप्ताह शेष है ऐसे में शहर में राजनीति का माहौल गर्माया हुआ है। सभी राजनीतिक पक्ष के उम्मीदवार देश-प्रदेश के दिग्गज नेताओं को प्रचार सभाओं में बुलाकर और कुछ पक्ष चुनावी रणनीति का उपयोग कर अपने पुराने कांडों को छुपाने के लिए प्रलोबन देकर कार्यकर्ताओं से दलबदल करा रहे हैं। इस तरह की राजनीति से दूर और साफ सुथरी छवि के राकांपा नेता व अपक्ष उम्मीदवार भारत राजवानी गंगोत्री वन मैन शो की भूमिका चुनाव में बनाए हुए हैं। उनके साथ ना ही कोई दिग्गज नेता है और ना ही इस तरह की कोई ओछी रणनीति है जिसकी बदौलत वो चुनाव लड़ रहे हैं। गंगोत्री का कहना है कि जो जा रहा है वो हमारा कभी था ही नहीं, जो हमारा है वो कभी जाएगा ही नहीं इसी नीति के तहत उन्होंने उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से अपना प्रचार और जोरदार कर दिया है।

विरोधियों में हार का डर सता रहा है उन्हें पता है गंगोत्री सब पर भारी पड़ेगा। इसलिए उन्होंने मुझ पर अब अटैक शुरू कर दिया है। लेकिन मेरा घर-घर प्रचार जोरों पर है और इस बार शहरावासी चेहरा बदलकर ही मुझे मौका देंगे और भारी मतों से जीताएंगे ऐसा मेरा विश्वास है।

ओमी कालानी का विरोधियों पर प्रहार

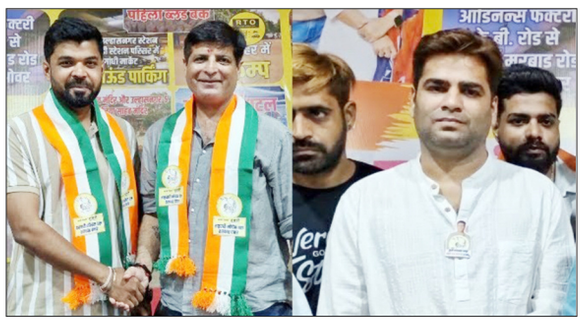

- उद्योगपति सुमित चक्रवर्ती अहम भूमिका में
- किरण चिमनानी व रोहित गमलाडू हुए कालानी के साथ

उल्हासनगर. उल्हासनगर विधानसभा चुनाव अब अंतिम पड़ाव की ओर जा रहा है अब शह और मात के खेल में इन दिनों कालानी विरोधियों पर भारी पड़ रहे हैं। महायुति के कार्यकर्ताओं का राकांपा शरद पवार गुट में प्रवेश से कालानी की स्थिति मजबूत हो रही है। उद्योगपति सुमित चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में सुनील सिंह कलवा की पत्नी जो साई पक्ष में शामिल थी किरण चिमनानी ने कालानी का दामन थाम लिया है वहीं कालानी के विरोधी राकांपा अजित पवार गुट के युवा नेता गंगोत्री की करीबी रोहित गमलाडू ने राकांपा शरद पवार गुट में शामिल हो गए हैं। पंकज तिलोकानी के मार्गदर्शन में कल इनका प्रवेश हुआ है। वहीं बहुजन विकास आघाडी के उम्मीदवार संजय गुप्ता के करीबी कमलेश यादव ने भी कालानी का दामन थाम लिया है। कालानी का विरोधियों पर लगातार प्रहार जारी है।

जिले में 746 बुजुर्गों ने घर से किया मतदान

उल्हासनगर. महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए ठाणे जिले में दिव्यांगजनों तथा 85 वर्ष से अधिक आयु के कुल 746 मतदाताओं ने अपने घर से मतदान किया।

जिले के निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ठाणे की 18 विधानसभा क्षेत्र में कुल 933 लोगों ने घर पर मतदान करने की सुविधा के लिए पंजीकरण कराया था। 12 विधानसभा क्षेत्रों से सोमवार तक 85 वर्ष से अधिक आयु के 651 लोगों ने और 95 दिव्यांगजनों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

अधिकारी ने बताया कि घर से मतदान करने की सुविधा 17 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी और विधानसभा चुनाव में अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी नियमों का पालन किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य की सभी 288 विधानसभा सीटों के पर एक चरण में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। 23 नवंबर को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम की घोषणा होगी। इस चुनाव में भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजित पवार की महायुति का मुकाबला कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी और एनसीपी शरदचंद्र पवार के महागठबंधन से है।

देवेन्द्र फड़णवीस का उद्धव ठाकरे पर हमला

'रोने वालों के बजाय लड़ने वालों का समर्थन करें'

- सुलभा गायकवाड़ के प्रचारार्थ फडणवीस ने लोगों से की अपील

कल्याण. बैग चेक किए जाने में इतना हल्ला मचाने की कोई जरूरत नहीं है. हमारे बैग की भी जांच की जा रही है. उन्हें किस बात का डर है? अब जब मामला खत्म हो गया है तो बैग की जांच का रोना शुरू हो गया है. इसलिए, नागरिकों को अब रोने वालों के बजाय लड़ने वालों के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए. उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने मंगलवार को यहां कल्याण पूर्व से महायुति उम्मीदवार सुलभा गायकवाड़ की अभियान बैठक में उद्धव ठाकरे पर हमला किया।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कांग्रेस के साथ-साथ महा विकास आघाड़ी के घटक दलों की भी खबर ली. महायुति द्वारा लिए गए निर्णयों का विरोध करने वाले, लाडली बहन योजना में गड़बड़ी करने वाले, उद्धव बाला साहेब ठाकरे पार्टी के, कांग्रेसवाले और शरद पवार की एनसीपी के सौतेले भाई बाजार में घूम रहे हैं। इन सौतेले भाइयों ने झूठा माहौल बनाकर हाईकोर्ट में चुनौती दी कि लड़की बहिन योजना के कारण राज्य सरकार का पैसा बर्बाद हो रहा है। उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि अगर राज्य में फिर से महायुति सरकार आती है, तो लाड़की बहिन योजना की राशि बढ़ाकर 2100 रुपए किए जाएंगे. विधानमंडल में इस प्रस्ताव को मंजूरी दिलाने में उनकी प्रिय बहन सुलभा गायकवाड़ भी अहम भूमिका निभाएंगी. इसलिए, फड़णवीस ने अपील की कि लोगों को प्रगतिशील और गतिशील महाराष्ट्र के लिए रोनेवालों के बजाय उन लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए जो लड़ रहे हैं।

फड़णवीस ने कहा कि हम महाराष्ट्र को गौरवशाली बनाने जा रहे हैं. सरकार ने विभिन्न योजनाएं लागू करके राज्य के कमजोर वर्गों, किसानों, लड़कियों और महिलाओं को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करने का प्रयास किया है। हम इन योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। तो आइए हम रोने वालों के बजाय लड़ने वालों का समर्थन करें।

उल्हासनगर में धोखादायक इमारत तोड़ते समय ढह गई

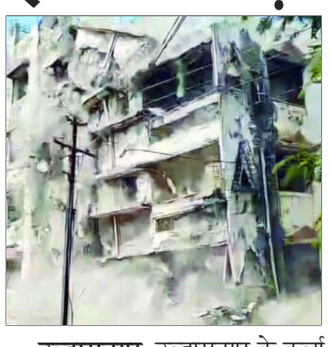

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कुर्ला कैंप इलाके में एक खतरनाक इमारत ढह गई है. इमारत, श्रद्धा सागर, तोड़क प्रक्रिया के दौरान जमीन पर ध्वस्त गई और घटना का एक वीडियो, जो एक स्थानीय के मोबाइल फोन पर कैद हुआ, सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

प्रशासन ने इस खतरनाक इमारत को गिराने का आदेश दिया था. तदनुसार, इमारत ध्वस्त करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी गई। हालाँकि, यह इमारत तेजी से ताश के पत्तों की तरह ढह गई। सौभाग्य से, इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस दृश्य से स्थानीय लोगों में डर का माहौल पैदा हो गया है। फिलहाल प्रशासन उल्हासनगर में खतरनाक इमारतों पर फोकस कर रहा है, क्योंकि बारिश के बाद ऐसी इमारतों का खतरा बढ़ जाता है. श्रद्धा सागर बिल्डिंग जैसी इमारतों को तुरंत खाली करने का निर्देश दिया गया है.

संबंधित विभाग ने कहा कि उल्हासनगर में ऐसी इमारतों की सूची बनाने का काम जारी है और अगले कुछ महीनों में इन्हें गिरा दिया जाएगा. हालांकि, जिन लोगों ने इस घटना का वीडियो देखा उन्हें ये घटना भयावह लगी. यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है और शहर में खतरनाक इमारतों को लेकर नए सिरे से चिंता पैदा हो गई है.

डेढ़ माह की बेटी को बेचने वाली मां समेत 4 गिरफ्तार

- 4 लाख रुपए में किया था सौदा

कल्याण. अपराध जांच विभाग के पुलिस उपायुक्त शिवराज पाटिल ने बुधवार को जानकारी दी कि 42 दिन की बच्ची को चार लाख में बेचने के आरोप में एक महिला समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. महात्मा फुले चौक थाने में महिला समेत 4 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस लड़की को भी सुरक्षित छुड़ाने में कामयाब रही है.

डोंबिवली के विष्णु नगर इलाके में रहने वाली वैशाली सोनावणे (35, मुल ग्राम मालेगांव, जिला नासिक) दलाल महिला बिना कोई दस्तावेज पूरा किए अपने बच्चों को बेचने वाली है, ऐसी जानकारी को ठाणे अपराध जांच विभाग के अनैतिक मानव तस्करी निवारण विभाग को मिली थी. उसके आधार पर, उपायुक्त पाटिल, सहायक पुलिस आयुक्त धनजी क्षीरसागर, अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम सेल की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चेतना चौधरी और उप-निरीक्षक स्नेहल शिंदे की एक टीम ने एक नकली ग्राहक बनाया और उसके माध्यम से संदिग्ध महिला आरोपी से संपर्क किया. फिर 12 नवंबर 2024 को वैशाली ने फर्जी ग्राहक को फोन किया और कहा कि उसकी एक बच्ची बेचने के लिए है। इसके लिए महिला ने चार लाख की मांग की और कहा कि वह लड़की को कल्याण के सहजानंद चौक स्थित रामदेव होटल के सामने लाएगी और कहा कि पहले लड़की देख लें और फिर पैसे लेकर आएं.

इस सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चौधरी ने एक विशेष टीम का गठन किया. टीम ने कार्रवाई करते हुए वैशाली समेत दीपाली दुसिंग (27, निवासी कोपर रोड, डोंबिवली पश्चिम, मूल गांव नासिक), रेखा सोनावने (32, भीख मांगकर आजीविका, निवासी कल्याण रेलवे स्टेशन, बच्चे की मां) और किशोर सोनावणे (34, निवासी डोंबिवली, पैतृक गांव मालेगांव, जिला नासिक) इन चारों को बच्चा बेचते समय रंगे हाथ गिरफ्तार किया.

चारों आरोपियों के खिलाफ महात्मा फुले चौक पुलिस स्टेशन में भारतीय न्यायिक संहिता 2023 की धारा 143, 3(5) के साथ किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत मामला दर्ज किया गया है. चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस ने कहा कि हिरासत में ली गई बच्ची और उसके पांच साल के भाई को डोंबिवली में एक बच्चों के शिविर में रखा गया है, जबकि उसकी नौ और सात साल की दो बहनों को सुरक्षा के लिए अंबरनाथ के एक बाल गृह में रखा गया है।

2 मुख्यमंत्री अंबरनाथ की सड़कों से जाने वाले हैं इसलिए अंबरनाथ सड़कों के गड्ढे बंद किए गए

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सभा होने के कारण एवं केबी सड़क से यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का काफिला उल्हासनगर की तरफ जाने वाला है, ये देखकर बुधवार सुबह से ही अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा सड़क के आसपास की स्वच्छता एवं सड़कों पर बारिश में हुए गड्ढों को डामर से भरे जाने का काम तेजी से शुरू देखा गया. ये कार्य बुधवार दोपहर 2.30 बजे तक शुरू रहा. इन सड़कों पर के गड्ढे बंद करने के लिए शहरवासियों के अलावा शहर के पत्रकारों ने कई बार आवाज उटाया, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही थी. नपा प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ था. जब प्रशासन को ये मालूम पड़ा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शहर पूर्व में प्रचार सभा के लिए आ रहे हैं तो मटका चौक से रेलवे ओवर ब्रिज एवं हुतात्मा चौक रास्तों का डामरीकरण करके गड्ढे बंद किए गए.

उल्हासनगर में बुधवार को ही यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा थी. उनका हेलीकॉप्टर अंबरनाथ के चिखलोली मैदान में उतरकर सड़क के रास्ते वह उल्हासनगर जाने वाले थे. इसलिए इन सड़कों के गड्ढे बंद किए गए. एक रिक्शा चालक ने कहा कि हम रोजाना इन खस्ताहाल सड़कों के गड्ढों में धक्के खाते हुए रिक्शा चलाते हैं, लेकिन प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा था. चालक ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें हर महिने अंबरनाथ शहर का दौरा करना चाहिए.

'हमने खटाखट नहीं फटाफट पैसे भेजे'

- मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का अंबरनाथ में जोरदार भाषण
- CM ने राहुल गांधी पर कसा तंज

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में आने के बाद हमें एक अलग ही ऊर्जा मिलती है. अंबरनाथ शहर विकास के लिए हमारी सरकार ने एक हजार करोड़ रुपए दिए हैं. अंबरनाथ में एमआईडीसी बढ़ रहे हैं, कंपनियां आ रही हैं, रोजगार बढ़ रहा है. अंबरनाथ में बुधवार शाम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उम्मीदवार बालाजी किणीकर के प्रचारार्थ विशाल सभा को संबोधित करते हुए ये बात कही. महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किणीकर का विजय लाडकी बहनों का एवं लाड़का भाई शिंदे का विजय है. उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल ने कहा था कि वह खटाखट पैसे देंगे, लेकिन हमने बहनों को पटापट पैसे दिए.

उद्धव ठाकरे की अहंकारी भाषा का प्रयोग कर रही थी. उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों को छोड़ दिया था. विकास कामों पर रोक लगा दिया था. एकनाथ शिंदे ने हिम्मत किया और सरकार को पलट दिया. उस समय किणीकर और 50 विधायक हमारे साथ थे. क्योंकि हम बालासाहेब के विचारों को लेकर चल रहे थे. हमने

रात-दिन कार्य किया, बंद पड़े सभी कामों की शुरूआत करके नया चैतन्य निर्माण किया. हम पर आरोप लगाए गए कि हमने धनुष्य बाण निशानी को चोरी किया, तो क्या तुम सब सो रहे थे. ऐसा प्रश्न उन्होंने विरोधियों से किया. विरोधियों ने हमारी योजनाओं के कापी पेस्ट करके महालक्ष्मी योजना को शुरू करने की घोषणा की है. कापी पेस्ट करने वाले कभी नहीं होंगे. ऐसा शिंदे ने कहा. संविधान बदलने के नाम पर अल्पसंख्यकों को डराया गया है. लेकिन जब तक सूरज चांद रहेगा, बाबासाहेब का आंबेडकर का संविधान रहेगा. ये नारा उन्होंने लगाया. ये मशाल घरों में आग लगाने वाली मशाल है. उन्होंने ये भी कहा कि मेरे आसपास दो डॉक्टर हैं (एक डॉ. श्रीकांत शिंदे, दूसरा डॉ. बालाजी किणीकर) लेकिन हमने दो वर्ष पूर्व एक बड़ा आपरेशन किया है. शिंदे ने कहा कि एकनाथ शिंदो को कमजोर मत समझो, हम पोकल धमकी से डरने वाले नहीं हैं.

सभा में हजारों पुरुष-महिलाएं उपस्थित थीं. मुरबाड मतदार संघ के भाजपा उम्मीदवार किसन कथोरे, सांसद श्रीकांत शिंदे, शिवसेना के अनेक नेता, पूर्व नगरसेवक, कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे. 40 मिनट तक मुख्यमंत्री ने मार्गदर्शन किया. उनका बार-बार गला बैठ रहा था और वह बार-बार पानी पीकर मार्गदर्शन जारी रखे हुए थे. किणीकर ने भी मार्गदर्शन किया.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास

संपादकीय

परीक्षा में पारदर्शिता का सवाल

प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता मानो संदिग्ध होती जा रही है। अक्सर पर्चाफोड़ की घटनाएं उजागर हो जाती हैं। इसके चलते परीक्षाएं निरस्त करनी पड़ती हैं। परीक्षार्थियों का सारा श्रम बेकार जाता है। दुबारा परीक्षाएं आयोजित कराने में सरकारों का दम फूलने लगता है। जहां परीक्षाएं बिना पर्चाफोड़ के संपन्न हो भी जाती हैं, उनमें उत्तर पुस्तिकाओं में हेराफेरी कर चहेते लोगों को नियुक्त कर देने के आरोप लगने लगते हैं। ऐसे में प्रयागराज में छात्रों के आक्रोश को समझा जा सकता है।

उत्तर प्रदेश राज्य सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा दो पालियों में कराने के फैसले से छात्र नाराज हैं। हालांकि आयोग लगातार आश्वासन दे रहा है कि उनके साथ कोई अन्याय नहीं होगा, मगर छात्रों का उस पर भरोसा नहीं बन पा रहा है। उनका तर्क है कि अगर पहली पाली में प्रश्नपत्र सरल आया और दूसरी पाली में कठिन आ गया, तो इससे दूसरी पाली के अभ्यर्थियों को नुकसान उठाना पड़ेगा। मगर आयोग इसके लिए मानकीकरण की व्यवस्था को व्यावहारिक बता रहा है। यह बात किसी के गले नहीं उतर रही कि आखिर राज्य लोकसेवा आयोग करीब सात लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा एक पाली में करा पाने में असमर्थ क्यों है।

दरअसल, ताजा आक्रोश पारदर्शिता न होने की वजह से है। पिछले सात वर्षों में करीब सत्तर परीक्षाओं में पर्चाफोड़ की शिकायतें आ चुकी हैं। पिछले वर्ष हुई राज्य सेवा आयोग की परीक्षा भी पर्चाफोड़ के चलते रद्द करनी पड़ी, जो अब तक नहीं कराई जा सकी है। अपराध मिटाने और सुशासन का दम भरने वाली उत्तर प्रदेश सरकार अब तक प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता नहीं ला पाई है। इससे लाखों युवाओं के सपनों पर पानी फिर जाता है।

सवाल यह भी उठता रहा है कि लोकसेवा की परीक्षाओं में गणित और विज्ञान जैसे विषयों में विद्यार्थी अधिक अंक अर्जित कर अच्छे पद प्राप्त कर लेते हैं, जबकि मानविकी विषयों के छात्र पिछड़ जाते हैं। ऐसे में दो पालियों में परीक्षा करा कर मानकीकरण के जरिए न्याय का तर्क भला छात्रों के गले कैसे उतरेगा। जिन परिस्थितियों में छात्र मेहनत करके परीक्षा की तैयारी करते हैं, अगर सरकार को उसकी फिक्र होती, तो परीक्षा प्रणाली में ऐसे प्रयोगों से परहेज करती।

बंगाल में चुनावी हिंसा और सियासत

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि चुनाव के वक्त सबसे ज्यादा हिंसा पश्चिम बंगाल में ही होती है। दरअसल, इस राज्य में दंभ के स्वरों की गिनती में हिंसा का शीर्ष स्थान है और हिंसा को हमेशा शक्ति प्रदर्शन की श्रेणी में रखा गया। चाहे वह लोकसभा चुनाव हो या पंचायत चुनाव हो! चाहे आम चुनाव हो या उप चुनाव ही क्यों न हो! चाहे वह प्री पोल वायलेंस हो या पोस्ट पोल वायलेंस! पश्चिम बंगाल में चुनाव और हिंसा की गठरी हमेशा बंधी रही।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े भी हालांकि पूरी तरह सटीक नहीं कहे जा सकते। विपक्षी दल व उसके नेता संख्या इससे ज्यादा बताते हैं। मसलन, एनसीआरबी ने 2018 की अपनी रिपोर्ट में कहा कि पूरे साल के दौरान देश में होने वाली 54 राजनीतिक हत्याओं के मामलों में से 12 बंगाल से जुड़े थे।

इसी बरस केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को एडवाइजरी भेजी। उसमें कहा गया कि पश्चिम बंगाल में हुई राजनीतिक हिंसा में 96 लोग मारे गए साथ ही लगातार होने वाली हिंसा गंभीर चिंता का विषय है। इसके बाद एनसीआरबी की ओर से सफाई आई। ये कहा गया कि उसे पश्चिम बंगाल समेत कुछ राज्यों से आंकड़ों पर स्पष्टीकरण नहीं मिला है। इसलिए उसके आंकड़ों को फ़ाइनल नहीं माना जाना चाहिए।

एनसीआरबी की उसी रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50

हत्याएं 2009 में हुईं। जबकि, उस साल अगस्त में सीपीएम ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि 2 मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी। हिंसा का जहां तक सवाल है, खासकर 2018 पंचायत चुनाव से 2021 के विधानसभा चुनाव तक राज्य में काफी हिंसा देखने को मिलीं। ख़ासकर विधानसभा चुनाव के बाद होने वाली हिंसा और कथित राजनीतिक हत्याओं की घटनाओं ने तो काफी सुर्खियां बटोरी थी। फिलहाल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी का राज है और विपक्ष की भूमिका में बीजेपी है।

बंगाल की राजनीति में जब 1980-1990 में बीजेपी और तृणमूल का अस्तित्व नहीं था तब भी कांग्रेस और वाममोर्चा के बीच हिंसा चरम पर थी। 1989 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने विधानसभा में आंकड़ा पेश किया था जिसमें कहा गया कि 1988-89 के दौरान राजनीतिक हिंसा में 86 राजनीतिक कार्यकर्ताओं की मौत हुई। इनमें 34 सीपीएम के थे और 19 कांग्रेस के। बंगाल की बदहाल स्थिति देख कांग्रेस ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा और राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग की। ज्ञापन में दावा था कि 1989 के पहले 50 दिनों में कांग्रेस के 26 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई है। पश्चिम बंगाल में 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़े प्रमाण के तौर पर पेश किए जाते हैं। एनसीआरबी ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि साल 2010 से 2019 के बीच राज्य में 161 राजनीतिक हत्याएं हुई और देश में बंगाल इस मामले में पहले स्थान पर था। दरअसल, पश्चिम बंगाल देश विभाजन के बाद से ही हिंसा से जूझता रहा। 1979 में सुंदरबन इलाके में बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों के नरसंहार को आज भी राज्य के इतिहास के सबसे क्रूर अध्याय के तौर पर याद किया जाता है। साठ के दशक में उत्तर बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुए नक्सल आंदोलन ने राजनीतिक हिंसा को एक नया आयाम दिया था। किसानों के हो रहे शोषण के विरोध में नक्सलबाड़ी से उठने वाली आवाजों ने उस दौरान पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरी।

आंकड़े और किस्से बताते हैं कि 1971 में सिद्धार्थ शंकर रे की कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद राजनीतिक हत्याओं की रफ्तार तेज हो गई थी। 1977 विधानसभा चुनावों में यही उसके पतन का कारण भी बना। सत्तर के दशक में भी वोटरों को आतंकित कर अपने पाले में करने और सीपीएम की पकड़ मजबूत करने के लिए बंगाल में हिंसा होती रही है। 1998 में ममता बनर्जी की टीएमसी का गठन हुआ और यहां से वर्चस्व की एक और लड़ाई आरंभ हुई जिसने हिंसा को एक नया रूप दे दिया। पंचायत चुनावों के दौरान कई इलाकों में भारी हिंसा शुरू हुई। राज्य के विभिन्न इलाकों में बालू, पत्थर और कोयले के अवैध खनन और कारोबार पर वर्चस्व भी पंचायत चुनाव में होने वाली हिंसा की एक प्रमुख वजह है। यह तमाम कारोबार पंचायतों के ज़रिए ही नियंत्रित होते हैं।

जिस प्रकार एक मछली सागर के बिना नहीं जी सकती, उसी प्रकार आत्मा भी परमात्मा के बिना नहीं जी सकती।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

शराब खरीदते समय दुकान पर उम्र की जांच

आम राय यही है कि नाबालिगों को शराब की लत से दूर रखा जाना चाहिए। इस क्रम में देश भर में शराब खरीदने के लिए न्यूनतम उम्र निर्धारित की गई है, हालांकि किसी राज्य में इसके लिए पच्चीस वर्ष की उम्र निर्धारित है, तो किसी राज्य में इक्कीस। कम से कम अठारह वर्ष की सीमा हर जगह तय की गई है कि इससे कम उम्र के बच्चों को शराब नहीं बेची जाएगी। मगर हालत यह है कि कई बार इससे भी कम आयु के बच्चे शराब खरीदते दिख जाते हैं।

शराब की दुकानों पर शायद ही कहीं इस बात की व्यवस्था होती है कि शराब खरीदने वाले की उम्र जांची जाए। इसी मसले पर एक स्वयंसेवी संगठन की याचिका में उठाए गए सवालों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है, जिसमें शराब की दुकानों और अन्य विक्रय स्थलों पर उम्र की जांच के लिए एक प्रभावी नियमावली और एक सुदृढ़ नीति बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है।

दरअसल, शराब की बिक्री और उसका सेवन करने को लेकर नियम-कायदे तो बना दिए गए हैं, मगर उस पर अमल को लेकर गंभीरता शायद ही कहीं दिखती है। इतना तय है कि अगर शराब पीने की न्यूनतम आयु का निर्धारण किया गया है तो इसके पीछे यह धारणा काम करती है कि इससे कम उम्र में शराब के सेवन से सेहत को नुकसान पहुंचेगा। इस तरह की शर्तों के पीछे मुख्य भावना यह है कि बच्चों को शराब के दायरे से दूर रखा जाए।

विचित्र है कि इस पर अमल के लिए किसी तरह की नियमावली और नीति तय नहीं की गई है कि अगर दुकान पर कोई व्यक्ति शराब खरीदने गया है तो

उसकी उम्र की जांच हो। नतीजतन, दुकानदारों को सिर्फ बेचने से मतलब होता है और शराब के शौकीन या लती बेहिचक खरीदते हैं, वे निर्धारित उम्र की शर्त पालन करते हों या नहीं। एक तरफ यह बच्चों या किशोरों में शराब की लत को बढ़ावा देता है या इसकी अनदेखी करता है, दूसरी ओर इस तरह सरेआम इससे संबंधित कानून को भी धता बताया जाता है।

इसीलिए याचिका में सुझाव दिया गया है कि शराब बेचने वाले सभी स्थानों पर ऐसे लोगों की उम्र की जांच करने की व्यवस्था की जानी चाहिए जो तीस वर्ष से कम उम्र के लग रहे हों। इसके लिए सरकार की ओर से जारी आधार कार्ड, निर्वाचन कार्ड या अन्य पहचान प्रमाण पत्र का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा, पार्टी में बच्चों को शराब मुहैया कराने वाले आयोजकों की जिम्मेदारी तय करने और जुर्माना लगाने की भी सलाह दी गई है। विडंबना यह है कि चूंकि शराब की बिक्री सरकारों के लिए राजस्व का एक बड़ा जरिया है, इसलिए वे इससे संबंधित कई नियम-कायदों की अनदेखी करती हैं।

कई जगहों पर राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे शराब की दुकानों की शृंखला जैसी दिखती है। यहां तक कि मांग के आधार पर शराब घर तक पहुंचाए जाने का चलन बढ़ रहा है। आसान तरीके से शराब मिल जाना नई पीढ़ी के लिए उसकी ओर आकर्षित होने का एक बड़ा कारण है। सेहत पर असर और सड़क हादसों में इसकी भूमिका की वजह से पहले भी शराब के सेवन को नियंत्रित करने की बात कही जाती रही है। जरूरत इस बात की है कि सरकार इससे संबंधित एक स्पष्ट नीति और नियमावली तैयार कर उस पर अमल सुनिश्चित करे।

कौन सा जानवर जीवनभर नहीं बंद करता अपनी आंखें?

जरा हट के

हम अपनी आंखों को कुछ सेकेंड में झपकते रहते हैं. ये हमारे शरीर के कार्य करने का नियम है और हमारे से लिए बिल्कुल आम बात है. हालांकि इस धरती पर एक ऐसा जीव भी है, जिसकी आंखें हमेशा खुली रहती हैं. वो अपनी पलकें बंद ही नहीं कर सकता.

हम यूं तो अपने आसपास की बहुत सी चीज़ों के बारे में जानते हैं लेकिन कुछ ऐसी दिलचस्प चीज़ें भी हैं, जिन्हें हम नहीं जानते हैं. ऐसी ही एक दिलचस्प जानकारी ये है कि धरती पर ऐसा भी एक जीव है, जो कभी भी आंखें बंद नहीं करता. सोते वक्त भी उसकी पलकें बंद नहीं होतीं. क्या आप जानते हैं उसे?

ये जीव हमारे आसपास ही होता है. दरअसल मछलियाँ ही वो जीव हैं, जो पलकें नहीं झपकतीं. दरअसल मछलियों की पलकें नहीं होती इसलिए वे अपनी आँखें बंद नहीं कर सकतीं. उनकी नींद का पैटर्न भी हमसे अलग होता है.

आपने भी सुना होगा कि मछलियां अपनी पलकें खोलकर सोती हैं. दरअसल सच्चाई ये है कि उनकी पलकें होती ही नहीं हैं. मछलियाँ सोती हैं, लेकिन उतनी गहरी नींद नहीं जितनी हम सोते हैं. वे आसपास के वातावरण के प्रति जागरूक होती हैं और खतरा महसूस होने पर तुरंत प्रतिक्रिया दे सकती हैं.

दरअसल आंखों में पलकें होने और उन्हें बंद करने का मकसद यही होता है कि आंखों में नमी बनी रहे. चूंकि मछलियां पानी के अंदर होती हैं, तो उनकी आंखें नम ही रहती हैं. आँखें खुली रखने से मछलियों को अपने आस-पास के बारे में जागरूक रहने में मदद मिलती है. यह शिकारियों से बचाने और भोजन खोजने में मदद करता है.

मछलियों की आंखों की संरचना भी अलग होती है. इनकी कॉर्निया अन्य जानवरों की तुलना में काफी मोटी होती है क्योंकि इन पर अंडरवॉटर प्रेशर पड़ता है और आंख के टिश्यूज़ को उससे बचाना होता है. मछलियों की आंखों को म्यूकस की एक मोटी लेयर सुरक्षित रखती है, जिसे कंजंक्टिवा कहते हैं. कुछ मछलियाँ सामाजिक होती हैं और वे एक-दूसरे से संवाद करने के लिए अपनी आँखों पर भरोसा करती हैं. आँखें खुली रखने से उन्हें एक-दूसरे के स्थान के बारे में जानने और सामाजिक बंधन बनाए रखने में मदद मिलती है.

महिलाओं में खून की कमी पूरे शरीर को बना देती है कमजोर

5 संकेतों से समझें इशारा तुरंत करें सुधार वरना संकट आएगा हजार

प्रकृति ने महिलाओं के शरीर को नायाब तरीके से रचा है. लेकिन इस नायाबपन के कारण महिलाओं का शरीर पुरुष की तुलना में ज्यादा जटिल होता है. यही कारण है महिलाओं को खून की ज्यादा जरूरत होती है. चूंकि खून सबके लिए जीवन का आधार है. इसलिए खून की कमी का घातक असर होना लाजिमी है. खून ही शरीर के हर एक अंग से दूसरे अंगों का संपर्क संभव बनाता है. खून के कारण ही शरीर के अंग-अंग में ऑक्सीजन और आवश्यक पोषक तत्वों की पहुंच होती है और वहां

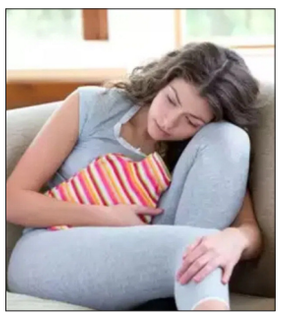

से कार्बनडायऑक्साइड का शरीर से बाहर निकलना होता है. इसलिए शरीर के प्रत्येक अंग में खून का पहुंचना जरूरी है. खून के आरबीसी में मौजूद हीमोग्लोबिन के कारण ऑक्सीजन शरीर के अंग-अंग तक पहुंचती है. हीमोग्लोबिन के बिना ऑक्सीजन का पहुंचना कम हो जाता है.

जिन लोगों में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है, उसे एनीमिया की बीमारी होती है. महिलाएं अक्सर एनीमिया की शिकार हो जाती हैं. लेकिन अगर एनीमिया का इलाज जल्दी नहीं किया गया तो महिलाओं का शरीर इतना लुंज-पुंज हो जाता है कि कुछ भी काम सही से नहीं हो पाता है. महिलाओं के शरीर में कुछ खास संकेत एनीमिया के लक्षण की ओर इशारा करते हैं.

महिलाओं को खून की कमी क्यों होती है ज्यादा

मायो क्लिनिक के मुताबिक जब भोजन में आयरन की मात्रा ज्यादा न हो या किसी न किसी वजह से ज्यादा खून शरीर से निकल रहा हो तो एनीमिया की बीमारी हो सकती है. वहीं कुछ बीमारियों के कारण भी हीमोग्लोबिन की कमी होती है. रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं में हर महीने पीरियड के दौरान खून बाहर निकलता है. जिन महिलाओं को हैवी पीरियड होते हैं, उनमें एनीमिया का रिस्क ज्यादा रहता है. दूसरी ओर अगर भोजन में हरी पत्तीदार सब्जियों की कमी होती है तो भी एनीमिया की बीमारी हो सकती है. इस तरह महिलाएं हमेशा एनीमिया की रिस्क में रहती हैं.

आयरन की कमी के संकेत

1. **बहुत अधिक थकान और कमजोर**- जब महिलाओं के शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी होती है तब सबसे अधिक शरीर में कमजोरी और थकान होती है. इतनी कमजोरी हो जाती है कि कुछ काम करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. ऐसा इसलिए होता है कि क्योंकि ऑक्सीजन हर अंग तक नहीं पहुंचती. इससे नसें शिथिल होने लगती है जिससे शरीर में कमजोरी और थकान महसूस होती है.
2. **भूख नहीं लगना**- एनीमिया की बीमारी होने पर महिलाओं में भूख बहुत कम लगती है. ऐसा लगता है कि पेट भरा हुआ है. चूंकि पहले से कमजोरी और थकान रहती ही है, ऐसे में अगर पोषक तत्वों की प्राप्ति नहीं होती तो दिक्कतें और बढ़ जाती हैं.
3. **सिर दर्द और चक्कर**- अगर महिलाओं में एनीमिया हो जाए तो अक्सर सिर में दर्द और चक्कर की शिकायत रहती है. इससे पूरा दिन खींझ रहती है. कोई काम करने में बेचैनी होने लगती है.
4. **स्किन के रंग में बदलाव**- एनीमिया या शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर स्किन का रंग पीला पड़ने लगता है. नाखून बहुत कमजोर होने लगते हैं. हाथ-पैर बहुत ठंडे हो जाते हैं.
5. **छाती में दर्द**- हीमोग्लोबिन की कमी होने पर सांसें तेज चलने लगती है. इसका कारण है कि हार्ट को पर्याप्त ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं हो पाती है इसलिए कभी-कभी दम भी फूलने लगता है. इससे छाती में भी दर्द हो सकता है.

मूली के पराठे

सामग्री

- आटा- 4 कप
- मूली- 2 कद्दूकस किया हुआ
- अदरक- 1 टुकड़ा कटा हुआ
- धनिया पत्ती- कटी हुई 1 बड़ा चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- भुना जीरा पाउडर- आधा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- आधा चम्मच
- अजवायन-1/4 छोटा चम्मच
- हरी मिर्च- 2-3 कटी हुई
- घी या तेल- पराठा सेकने के लिए

रेसिपी

बाजार से फ्रेश मूली लाएं. इसे अच्छी तरह से साफ करके कद्दूकस कर लें. आटा में थोड़ा सा तेल और नमक डालकर मिक्स करें. अब पानी हल्का-हल्का डालते हुए गूंद लें. आटा बहुत गीला या सख्त ना गूंदें. अब अदरक, हरी धनिया पत्ती, हरी मिर्च को बारीक काटकर अलग रख दें. कद्दूकस किए हुए मूली से पानी खूब छोड़ेगा, क्योंकि मूली में पानी की मात्रा अधिक होती है. पानी अच्छी तरह से हाथों से दबा-दबा

कर निकाल लें वरना पराठा सही से नहीं बन पाएगा. अब इसे एक अलग बर्तन में डाल दें. इसमें हरी मिर्च, धनिया पत्ती, अदरक, भुना हुआ जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें. अब इसमें नमक डाल दें. पराठे के लिए स्टफिंग की सामग्री तैयार है. आप चाहें तो मूली को भूनकर भी भरावन तैयार कर सकते हैं. इससे पानी भी अच्छी तरह से सूख जाएगा.

अब आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें. एक लोई को हाथों से गोलाकर बनाते हुए बीच में तैयार मूली का भरावन डाल दें. इसे अच्छी तरह से धीरे-धीरे बेल कर गोल शेप दें. गैस चूल्हा पर तवा रखें. अच्छी तरह से गर्म हो जाए तो बेला हुआ एक पराठा डालकर सेकें. दोनों तरफ पलट कर घी या तेल लगाकर गोल्डन ब्राउन होने तक सेकें. ऐसी ही सभी लोइयों से पराठे बेलकर सेकते जाएं. नाश्ते में गर्मा गर्म मूली के पराठे का लुत्फ आप लाल सॉस, हरी चटनी, दही, अचार के साथ उठा सकते हैं.

औषधि हैं ये काले बीज

- सर्दी-खांसी के लिए रामबाण
- इसका चूर्ण महिलाओं के लिए अमृत

सर्दियों के मौसम में जब अचानक रात को सर्दी जकड़ लेती है और खांसी आना शुरू हो जाती है तब अक्सर दादी के नुस्खे याद आते हैं. ऐसा ही एक नुस्खा आप अभी से नोट कर लें, जिससे समय पर आपको उसका लाभ मिल सके. कौंच के बीजों को पीसकर एक पाउडर बनाया जाता है, जिसका सेवन सर्दी या जुकाम होने पर रामबाण इलाज के रूप में प्रचलित है. दमोह में लोग इसे किमाच के नाम से जानते हैं, जिसका सही नाम कौंच है. कौंच के काले बीज के कई फायदे हैं. यह बीज एक प्राकृतिक जड़ी-बूटी हैं. हालांकि, अगर आपको किडनी, लीवर, हार्ट, ग्लूकोमा से संबंधित कोई समस्या है तो ऐसे मरीजों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए. क्योंकि कुछ लोगों को इसके सेवन से सिरदर्द, मचली, अनिद्रा, उल्टी की शिकायत भी हो जाती है.

जिम जाने वाली महिलाएं करें उपयोग

कौंच में अंदर काले बीज निकलते हैं, जिसके पाउडर और चूर्ण का आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है. कौंच पाउडर एक प्रोटीन है, जो महिलाओं को संतुलित आहार बनाए रखने में मदद करता है. जो महिलाएं जिम जाना पसंद

करती हैं, वे इस जड़ी-बूटी के जरिए मांसपेशियों को बढ़ा सकती हैं. यह उनके बॉडी मास इंडेक्स को बनाए रखने में मदद करता है. इस जड़ी बूटी के चूर्ण में कैल्शियम, पोटेशियम, आयरन, कॉपर, जिंक, मैंगनीज, सोडियम जैसे प्रमुख पोषक तत्व पाए जाते हैं, इसलिए हीमोग्लोबिन की कमी से जूझ रही महिलाओं को कौंच बीज खाने की सलाह दी जाती है.

ऐसे करें सेवन

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. अभिषेक खरे ने बताया कि हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर सर्दियों के दिनों में बच्चे, बड़े-बूढ़ों को सर्दी, जुकाम, खांसी और भी अन्य बीमारियां जल्द ही जकड़ लेती हैं. इसके के बचाव को लेकर पुराने बुजुर्ग लोग किमाच या कौंच के काले बीजों का पाउडर बनाकर शहद के साथ उबले पानी में घोलकर सेवन कर लेते थे तो सर्दियों के दिनों में वह बहुत कम संक्रमित हो पाते थे.

प्रदूषण से फेफड़ों को बचाने वाली 3 चमत्कारी जड़ी-बूटी

त्रिफला: आयुर्वेद में त्रिफला को सबसे शक्तिशाली जड़ी-बूटी माना जाता है. त्रिफला विभीतकी, हरीतकी और आंवला को मिलाकर तैयार की जाती है. आयुर्वेद में इसका इस्तेमाल फेफड़ों की सफाई के लिए किया जाता है. दरअसल, त्रिफला एंटी बैक्टीरियल, एंटी इंफ्लेमेटरी गुण का अच्छा स्रोत मानी जाती है. इसके अलावा त्रिफला में पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सिडेंट जैसे एलाजिक एसिड, टैनिन और फ्लेवोन भी फेफड़ों को अधिक मजबूती देकर उसमें जमा गंदगी को जड़ से साफ करने में असरदार साबित हो सकते हैं. फेफड़ों की सफाई के लिए एक लीटर पानी में करीब 100 एमजी त्रिफला को डालकर पानी आधा होने तक उबाल लेंगे. फिर पानी हल्का गुनगुना होने पर सुबह खाली पेट घूंट-घूंट कर इसका सेवन करें.

तुलसी: आयुर्वेद में तुलसी फेफड़ों के लिए एक बेहतरीन औषधि मानी गई है. दरअसल, इसके पत्तों में यूजेनॉल नामक तत्व पाया जाता है, जो श्वसनप्रणाली के लिए फायदेमंद है. साथ ही, तुलसी में भी एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो फेफड़ों को

मजबूत कर उनको सक्रिय बनाते हैं. इसका सेवन करने के लिए तुलसी के पत्तों को सुखाकर उसमें कत्था, मेन्थॉल और इलायची को बराबर मात्रा में पीस लें. फिर इसमें एक चम्मच पिसी हुई चीनी मिला लें. इसके बाद दिन में दो बार आधा चम्मच इस मिश्रण के सेवन से फेफड़ों में जमे कफ और गंदगी को साफ किया जा सकता है.

मुलेठी: इस सब के अलावा मुलेठी का सेवन भी फेफड़ों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है. आयुर्वेद के मुताबिक, मुलेठी अपने मीठे और ठंडे गुणों के कारण श्वसनप्रणाली के संक्रमणों से राहत दिलाने में असरदार है. इसका सेवन फेफड़ों और गले में जमा होने वाले गाढ़े बलगम को पिघलाकर फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मददगार साबित हो सकता है. आप मुलेठी से हर्बल टी बनाकर इसका सेवन कर सकते हैं. वहीं, यदि सांस लेने में परेशानी, या सर्दी-खांसी दिक्कत करने लगे, तो मुलेठी की कुछ छड़ियों को पानी में उबाल लें. इसके बाद इस पानी को धीरे-धीरे घूंट-घूंट कर पिएं. आप चाहें तो इस पानी में एक चम्मच शहद भी मिला सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष : व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

मिथुन : विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

सिंह : मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या : चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मकर : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

कुंभ : बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें। अति व्यस्तता रहेगी।

मीन : मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पूर्व जिला पंचायत सदस्य की घर में घुसकर हत्या, दस लाख से ज्यादा लूट ले गए

बलरामपुर. बलरामपुर में पूर्व जिला पंचायत सदस्य की घर में घुसकर हत्या करने के बाद दस लाख से ज्यादा के जेवर और नगदी लूट ली गई है। माना जा रहा है कि चोरी की नीयत से घुसे बदमाशों ने बुजुर्ग के जगन पर तकिए से मुंह दबाकर हत्या कर दी। सात लाख रुपए के जेवरात व तीन लाख रुपए नकदी बदमाशों ने पार कर दिया। घटना स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत सुदर्शनजोत के मजरे निबोरिया में मंगलवार मध्यरात्रि हुई है। बदमाशों को पकड़ने के लिए एसपी ने पांच टीमें लगाई हैं। फोरेंसिक टीम ने अल्मारी, तकिए व अन्य स्थानों से बदमाशों के फिंगर प्रिंट उतारे हैं। डीआईजी व एसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों ने घटना स्थल का जायजा लिया है।

पहले बड़ी फिर छोटी बेटी से रेप किया, नातिन को भी नहीं बख्शा; एक लड़की ने जान दे दी

सहारनपुर. यूपी के सहारनपुर में रिश्तों को शर्मसार और हर किसी को हैरान कर देने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक सौतेले पिता पर अपनी दो बेटियों और नातिनों के साथ रेप करने का आरोप लगा है। आरोप लगाने वाली कोई और नहीं बल्कि आरोपी की बड़ी सौतेली बेटी है। पीड़िता का कहना है कि उसके सौतेले पिता ने उसके और उसकी छोटी बहन के साथ कई बार रेप किया। छोटी बहन गर्भवती भी हो गई थी। दरिंदा बना बाप यहीं नहीं रुका। उसने अपनी नातिनों को भी हवस का शिकार बनाना शुरू कर दिया। पीड़िता ने कहा कि उसकी एक बेटी ने सुसाइड कर लिया। परेशान होकर दूसरी बेटी ने भी फिनालय पी लिया तब पीड़िता अपने पिता के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस के पास पहुंची।

फेरे लेने से पहले दूल्हे ने जमकर काटा बवाल, दुल्हन ने शादी से किया इनकार

आगरा. यूपी के आगरा में दूल्हे की हरकतों से तंग आकर दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। उसके इस कदम से मैरिज हॉल में हड़कंप मच गया। काफी मान-मनौव्वल के बाद भी जब दूल्हन नहीं मानी तो बारात को बैरंग वापस लौटना पड़ा। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने दूल्हे को हिरासत में ले लिया। ये मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। ये मामला खंदौली थाना क्षेत्र के नंदलालपुर टेड़ी बगिया क्षेत्र का है। दूल्हा बना सिपाही दहेज से संतुष्ट नही था। वहीं दुल्हन का पिता भी उत्तर प्रदेश पुलिस में दरोगा है। दूल्हा कई दिन से दुल्हन के मोबाइल पर चैटिंग कर बात करता था और दुल्हन के परिवार बालों को भला-बुरा कहता था। दहेज़ में दिये सामान को खराब बताता तो दहेज बढाने को कहता। दुल्हन ने उसे भरपूर समझाने का प्रयास किया लेकिन उसकी समझ नहीं आया।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट बोला-

अफसर जज नहीं बन सकते

प्रॉपर्टी तोड़ने से पहले 15 दिन का नोटिस, वीडियोग्राफी जरूरी, अफसर दोषी तो निर्माण कराएगा

घर सबका सपना होता है, ये बरसों का संघर्ष है और सम्मान की निशानी। अगर घर गिराया जाता है तो अधिकारी को साबित करना होगा कि यही आखिरी रास्ता था। अफसर खुद जज नहीं बन सकते।₹ बुलडोजर एक्शन पर फैसला सुनाते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह कमेंट किया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने बुलडोजर एक्शन पर पूरे देश के लिए 15 गाइडलाइन जारी कीं।

अदालत ने कहा कि अगर घर गिराने का फैसला ले लिया गया है तो 15 दिन का समय दिया जाए। घर गिराने की कार्रवाई की वीडियोग्राफी जरूरी है। अगर कोई अफसर गाइडलाइन का उल्लंघन करता है तो वो अपने खर्च पर दोबारा प्रॉपर्टी का निर्माण कराएगा और मुआवजा भी देगा।

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में लगातार बुलडोजर एक्शन के बाद जमीयत-उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। आरोप लगाया था कि BJP शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है।

केंद्र सरकार ने दलील दी थी कि कोर्ट अपने फैसले से हमारे हाथ ना बांधे। किसी की भी प्रॉपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई है, क्योंकि उसने अपराध किया है। आरोपी के अवैध अतिक्रमण पर कानून के

सुप्रीम कोर्ट ने बताए 10 नियम

1. यदि निर्माण ध्वस्त करने का आदेश दिया जाता है तो इसके विरुद्ध अपील करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। यदि गलत ऐक्शन हुआ तो संबंधित अधिकारियों को नुकसान की भरपाई अपनी सैलरी से करनी होगी।
2. बिना कारण बताओ नोटिस के बुलडोजर ऐक्शन की अनुमति नहीं है। नोटिस रजिस्टर्ड डाक से भेजा जाना चाहिए तथा ध्वस्त किए जाने वाली इमारत के बाहर भी चस्पा होना चाहिए। कोई भी कार्रवाई करने से पहले नोटिस की तिथि से कम से कम 15 दिन का समय दिया जाना चाहिए।
3. नोटिस में उस कारण का उल्लेख होना चाहिए, जिसके चलते बुलडोजर ऐक्शन का फैसला लिया गया। इसके अलावा सुनवाई का मौका देना चाहिए और यह तिथि नोटिस में ही रहनी चाहिए, जिसमें प्रभावित लोग व्यक्तिगत सुनवाई में अपनी बात रख सकें।
4. ऐसा न हो कि किसी को पिछली तारीख से नोटिस जारी कर दिया जाए और उसे बाद में सूचना दी जाए। इसलिए जैसे ही नोटिस जारी हो तो उसकी जानकारी डीएम को भी मिलनी चाहिए। यह सूचना ईमेल की जा सकती है। यही नहीं यह ईमेल मिल गया है। इसका प्रत्युत्तर भी डीएम कार्यालय से आना चाहिए। बुलडोजर ऐक्शन पर डीएम ही नोडल अधिकारी होंगे।
5. तीन महीने के भीतर एक डिजिटल पोर्टल बनाया जाए। इस पोर्टल पर ध्वस्तीकरण के सारे नोटिस अपलोड हों। उस संबंध में सभी आदेशों को वहां प्रदर्शित किया जाए।
6. नोटिस पाने वाले को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका मिलेगा। वह जब पेश होगा तो सुनवाई की मिनटवार रिकॉर्डिंग होगी।
7. अंतिम आदेश पारित होने पर बताया जाए कि क्या यह अपराध समझौता योग्य है। या फिर यदि कोई एक हिस्सा ही अवैध है तो फिर इमारत पर बुलडोजर चलाने की क्या जरूरत है। इस संबंध में पूरी जानकारी पोर्टल पर देनी होगी।
8. आदेश के 15 दिनों के भीतर मालिक को अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त करने या हटाने का अवसर दिया जाना चाहिए। संपत्ति को ध्वस्त करने के लिए कदम तभी उठाए जा सकते हैं, जब 15 दिन की यह अवधि बीत जाने के बाद भी व्यक्ति द्वारा अवैध निर्माण को हटाया न गया हो। केवल वही निर्माण ध्वस्त किया जाएगा जो अनधिकृत पाया गया हो और समझौता योग्य न हो।
9. ऐक्शन से पहले संबंधित अधिकारी द्वारा दो पंचों (गवाहों) द्वारा हस्ताक्षरित एक विस्तृत निरीक्षण रिपोर्ट तैयार की जाएगी।
10. निर्माण गिराने की पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी की जानी है। वीडियो रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखना है। एक रिपोर्ट तैयार की जाए, जिसमें यह दर्ज किया जाएगा कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में किन अधिकारियों/पुलिस अधिकारियों/सिविल कर्मियों ने भाग लिया और संबंधित नगर आयुक्त को भेजी जानी है। यह रिपोर्ट डिजिटल पोर्टल पर भी प्रदर्शित की जानी है।

EC ने गडकरी, फडणवीस और अजित के बैग चेक किए

- उद्धव की नाराजगी पर फडणवीस बोले- इसमें गलत क्या, कुछ लोगों को तमाशे की आदत

मुंबई. इलेक्शन कमीशन के अधिकारियों ने शिवसेना UBT गुट के चीफ उद्धव ठाकरे के अलावा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और NCP प्रमुख अजित पवार के बैग की भी चेकिंग की है।

गडकरी के बैग की चेकिंग लातूर में की गई, जब वे औसा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अभिमन्यु पवार का प्रचार करने पहुंचे। भाजपा ने फडणवीस का वीडियो बुधवार को जारी किया। फडणवीस के बैग की चेकिंग 5 नवंबर को कोल्हापुर में की गई। अजित पवार ने खुद वीडियो जारी किया और बताया कि कैंपेनिंग के दौरान EC अफसरों के उनका बैग चेक किया।

इससे पहले मंगलवार को उद्धव के हेलिकॉप्टर की चेकिंग की गई थी। वे उस्मानाबादु में औसा सीट पर प्रचार करने आए थे। 11 नवंबर को यवतमाल के वनी एयरपोर्ट पर भी उनके बैग की जांच की गई थी। उद्धव अधिकारियों पर भड़क गए थे और उन्होंने कहा था कि मोदी के बैग की चेकिंग का वीडियो मुझे चाहिए।

फडणवीस ने कहा कि बैग चेकिंग में कुछ गलत नहीं, कुछ लोगों को तमाशा करने की आदत होती है। अजित पवार ने कहा कि कानून का पालन करना और अफसरों का सहयोग जरूरी है।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, कोल्हापुर में मेरा बैग चेक किया गया, इसके बाद 7 नवंबर को भी चेकिंग हुई। उद्धव जांच का विरोध कर लोगों का ध्यान भटका रहे हैं, वे रोकर-चिल्लाकर वोट हासिल करना चाहते हैं। बैग चेकिंग में गलत क्या है। चुनाव प्रचार के दौरान हमारे भी बैग चेक होते हैं। उद्धव को हताशा के इस स्तर पर आने की जरूरत नहीं है, लेकिन कुछ लोगों को तमाशा करने की आदत होती है।

मोदी बोले- रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होने देंगे

- JMM सरकार ने घुसपैठियों को बसाया
- कोर्ट में झूठ बोला कि घुसपैठ हुई ही नहीं

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार (13 नवंबर) को देवघर और गोड्डा में चुनावी सभा को संबोधित किया। पीएम ने देवधर में कहा इस चुनाव में रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण मुद्दा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि भाजपा-NDA की सरकार संथाल और झारखंड की रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं होने देगी।

मोदी ने ये भी कहा कि JMM-कांग्रेस सरकार में बाहर से आए घुसपैठियों को यहां का परमानेंट निवासी बनाने के लिए हर गलत काम किए गए। इन घुसपैठियों के लिए रातों-रात पक्के कागज बनाए गए। यहां की सरकार का रवैया देखिए। JMM सरकार ने कोर्ट में कह दिया कि झारखंड में कोई घुसपैठ हुई ही नहीं है। भाजपा-NDA का एक ही मंत्र है- हमने झारखंड बनाया है, हम ही संवारेंगे।

गोड्डा में पीएम ने कहा- झारखंड में सरकार बनते ही 'गोगो दीदी योजना' शुरू करेंगे। हर महीने हजारों रुपए बहनों के खाते में आना शुरू हो जाएंगे।

कांग्रेस, RJD और JMM जैसे दलों ने इस क्षेत्र में लंबे समय तक राज किया है। लेकिन इन्होंने संथाल परगना को सिर्फ पलायन, गरीबी और बेरोजगारी दी है। खुद मुख्यमंत्री इस क्षेत्र से चुनाव लड़ते हैं, लेकिन यहां के लोगों काम के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ता है।

'मेरी बीमारी तक का मजाक बनाया और मैं साथ दूं?'

राज ठाकरे का नाम लेते ही भड़क गए उद्धव ठाकरे

मुंबई. राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे माहिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके मुकाबले उद्धव सेना ने भी कैंडिडेट उतारा है। पहले चर्चाएं थी कि उद्धव सेना कैंडिडेट वापस ले सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस संबंध में जब उद्धव ठाकरे से पूछा गया तो उन्होंने सख्त रिएक्शन दिया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मेरा खून का रिश्ता तो महाराष्ट्र की जनता के साथ है। उन्होंने राज ठाकरे पर हमला बोलते हुए कहा कि जो लुटेरों के साथ है, उससे मेरा क्या रिश्ता? मैं ऐसे लोगों को सपोर्ट करने की बात तो सपने में भी नहीं सोच सकता। अब बात ही खत्म, इसके आगे क्या कहना है।

उद्धव ठाकरे ने कहा, 'महाराष्ट्र से मेरा खून का रिश्ता है। महाराष्ट्र मेरा परिवार है, कोरोना काल में मैंने जिस परिवार की जिम्मेदारी ली, उस परिवार को लूटा जा रहा है। 'उन्होंने' (राज ठाकरे) घोषणा की है कि देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री

बनेंगे। इसलिए महाराष्ट्र की लूट बड़े पैमाने पर होगी।' उद्धव ठाकरे ने कहा कि डबल ट्रिपल इंजन महाराष्ट्र के लुटेरे हैं, जो भी उनका समर्थन करते हैं, वे लुटेरे हैं। राज ठाकरे के बारे में बात करते हुए उद्धव ने कहा कि उन्होंने मेरी बीमारी का भी मजाक उड़ाया था। भगवान न करे, जिन्होंने मेरी आलोचना की उन्हें उस पल या उस स्थिति का अनुभव अवश्य हुआ होगा। क्या मैं उन लोगों की मदद करूं, जिन्होंने मेरा मज़ाक उड़ाया।

उन्होंने कहा कि इन लोगों ने मेरा मजाक बनाया। उन्होंने उनकी मदद की, जिन्होंने मेरी पार्टी तोड़ दी। उद्धव ने विषय बदलते हुए कहा कि राज ठाकरे इस बार मेरे पास नहीं आए, मैं निजी मामलों में नहीं जाना चाहता। मैं उन लोगों की मदद नहीं करूंगा, जो महाराष्ट्र को लूटने वालों की मदद करते हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज की शपथ लेकर उद्धव ठाकरे ने ये बात कही।

उद्धव और आदित्य की रैली न होने से लग रहे थे कयास

दरअसल यह बात सामने आई है कि माहिम विधानसभा क्षेत्र में ठाकरे गुट के उम्मीदवार महेश सावंत के लिए उद्धव और उनके बेटे आदित्य की प्रचार सभा तय नहीं है। इसलिए राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा होने लगी कि उद्धव ठाकरे बिना प्रचार किए अप्रत्यक्ष रूप से मदद कर रहे हैं। लेकिन अब उद्धव ठाकरे ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है।

आयुष्मान कार्ड के लिए दो सप्ताह में 5 लाख बुजुर्गों ने किया आवेदन

- ऐसे करें अप्लाई

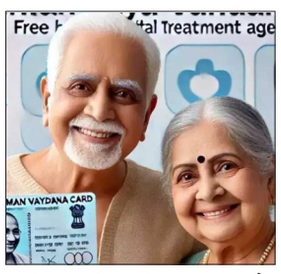

नई दिल्ली. स्वास्थ्य बीमा योजना AB-PMJAY के विस्तार के बाद से 70 साल और उससे अधिक आयु के लगभग पांच लाख वरिष्ठ नागरिकों ने आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो सप्ताह पहले 70 साल और उससे अधिक आयु के लोगों को शामिल करने के लिए AB-PMJAY के विस्तार का घोषणा की थी। योजना को लागू करने वाली एजेंसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने इस संबंध में आंकड़े शेयर कर योजना के प्रति लोगों के उत्साह को दर्शाया है। अब तक योजना के तहत नामांकन के लिए पांच लाख से अधिक अनुरोध प्राप्त हुए हैं। इनमें से 4.69 लाख आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं। दुनिया की सबसे बड़ी सरकार द्वारा वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा योजना, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को 2018 में 12.34 करोड़ गरीब परिवारों के 55 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य कवर प्रदान करने के लिए लॉन्च किया गया था। योजना के तहत सेकेंडरी और टर्शियरी अस्पताल में इलाज में होने वाले खर्च के लिए हर परिवार को सालाना 5 लाख रुपये का वार्षिक स्वास्थ्य कवर मिलता है।

बुजुर्गों की बात करें तो सबसे अधिक आवेदन मध्य प्रदेश (1.66 लाख) से किए गए। इसके बाद केरल (1.28 लाख), उत्तर प्रदेश (69,044) और गुजरात (25,491) का स्थान रहा। गौरतलब है कि योजना के विस्तार से पहले सिर्फ गरीब और निम्न परिवार और कुछ अन्य श्रेणी के श्रमिक जैसे आशा कार्यकर्ता इस योजना के तहत योग्य थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा, हमने सभी राज्यों के साथ IEC (सूचना, शिक्षा, संचार) सामग्री साझा की है। जैसे-जैसे यह सूचना लोगों तक पहुंचेगी, हमें विश्वास है कि अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिक इसमें शामिल होंगे।

नीतीश ने फिर मोदी के पैर छुए

- भाषण के बाद प्रणाम किया, PM कुर्सी तक ले गए
- पहले 8 जून को ऐसा किया था

दरभंगा. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर PM नरेंद्र मोदी के पैर छुए। मौका था बुधवार को दरभंगा AIIMS के शिलान्यास कार्यक्रम का। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि नीतीश अपना भाषण पूरा कर पीएम मोदी के बगल में लगी अपनी कुर्सी की ओर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री भी हाथ से उनकी कुर्सी की ओर इशारा करते दिख रहे हैं। कुर्सी पर बैठने से पहले सीएम नीतीश झुककर पीएम के पैर छूते हैं और उनको प्रणाम करते हैं। इससे पहले, 8 जून को दिल्ली में एनडीए की बैठक में भी नीतीश कुमार ने पीएम मोदी के पैर छुए थे। वहीं, 3 नवंबर को पटना में सीएम ने पूर्व सांसद आरके सिन्हा के पैर छुए थे। वो चित्रगुप्त पूजा में शामिल होने पहुंचे थे।

कनाडा में हिन्दुओं से फिर ज्यादती

- सुरक्षा के बदले पुलिस मांग रही 'हफ्ता'

कनाडा में अब पुलिस भी हिन्दू समुदाय पर दबाव डालती नजर आ रही है। खबर है कि कनाडा में हिन्दू समूहों से सुरक्षा देने के बदले में धन मांगा जा रहा है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है, जब खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत और कनाडा के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। वहीं, खालिस्तान समर्थक कथित तौर पर धमकियां दे रहे हैं।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पील पुलिस ने कथित तौर पर हिन्दू समुदाय को सुरक्षा देने के लिए 70 हजार डॉलर की मांग की है, जिससे हिन्दू संगठन खासे नाराज हैं। कनाडा में हिन्दू संगठनों ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सरकार पर अधिकार के हनन के आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा के हिन्दू समूहों का कहना है, 'हम भी टैक्स दे रहे हैं, फिर ये भेदभाव क्यों। पील पुलिस हमारे मुद्दों को सुलझाने के बजाए बेकार का दबाव डाल रही है।'

रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों का कहना है कि ऐसे काफी समय से चल रहा है, क्योंकि प्रशासन पर खालिस्तानी समूहों की तरफ से हिन्दुओं के कार्यक्रम रद्द कराने का दबाव है। चैनल से बातचीत में सूत्रों ने कहा, 'ट्रूडो सरकार खालिस्तानू समूहों और पूर्व सहयोगी जगमीनत सिंह को मजबूर करने के लिए फाइनेंस बिल को लेकर काफी दबाव में है।' उन्होंने कहा, 'दुनिया में यह पहली बार है, जब स्थानीय पुलिस अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए धन की मांग कर रही है।'

खालिस्तानी आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नू के अयोध्या में राम मंदिर पर हमले की धमकी के मद्देनजर रामजन्मभूमि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा करके हाई अलर्ट कर दिया गया है।

डॉक्टर के सीने में चाकू उतारा

चेन्नई. आज चेन्नई के एक अस्पताल में दिल दहला देने वाली घटना घटी। कैंसर पीड़ित महिला के बेटे ने उसकी मां का इलाज कर रहे सीनियर डॉक्टर पर चाकू से सात बार वार किया। बताया गया कि वह अपनी मां के इलाज को लेकर कथित तौर से असंतुष्ट था। इसलिए उसने नाराज होकर डॉक्टर के सीने में चाकू उतार दिया। डॉक्टर की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। डॉक्टर पर चाकू से हमला करने के बाद आरोपी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

मुनाफ दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बने

- हेमंग बदानी टीम के हेड कोच होंगे
- वेणुगोपाल क्रिकेट डायरेक्टर बने

पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल को दिल्ली कैपिटल्स का गेंदबाजी कोच बनाया गया है। हेमंग बदानी टीम के हेड कोच, जबकि वेणुगोपाल राव क्रिकेट के डायरेक्टर बने हैं। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार रात को इसका ऐलान किया।

पटेल का पहली बार कोचिंग रोल में दिखाई देंगे। उन्होंने 2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। मुनाफ रिवर्स स्विंग और सटीक यॉर्कर के लिए जाने जाते थे। वे 2011 का वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं। टीम ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराते हुए वर्ल्ड कप जीता था। मुनाफ ने मुंबई इंडियंस के साथ 2013 में IPL भी जीता।

पटेल ने जेम्स होप्स की जगह ली

मुनाफ पटेल दिल्ली की फ्रेंचाइजी में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जेम्स होप्स की जगह ली है। DC ने होप्स का साथ जुलाई 2024 में छोड़ दिया था। इससे पहले रिकी पोंटिंग ने फ्रेंचाइजी का साथ छोड़ा था। पिछले सीजन में सौरव गांगुली भी फ्रेंचाइजी के साथ थे। उन्हें JSW स्पोर्ट्स का नया क्रिकेट डायरेक्टर बनाया गया है।

ISRO अंतरिक्ष में जोड़ेगा दो अलग-अलग स्पेसक्राफ्ट

इसरो दिसंबर महीने में खास स्पैडेक्स मिशन को लॉन्च करने वाला है। इस मिशन में इसरो की योजना अंतरिक्ष में दो अलग-अलग स्पेसक्राफ्ट को जोड़ने की है। अगर यह मिशन कामयाब हो जाता है तो भारत अमेरिका, चीन और रूस के खास क्लब में एंट्री ले लेगा।

कौन थे निजाम के रजाकार, जिन्होंने खरगे के घर में लगाई थी आग

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कांग्रेस मल्लिकार्जुन खरगे ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर कहा था कि उनकी भाषा आतंकवादियों जैसी है। इस पर जवाब देते हुए यूपी सीएम ने कहा कि मैं तो एक योगी हूं, जिसके लिए देश सबसे पहले है। लेकिन मल्लिकार्जुन खरगे को मेरे बजाय रजाकारों के बारे में बोलना चाहिए, जिन्होंने उनके घर में आग लगा दी थी। उनकी मां, बहन और परिवार के अन्य लोग उसमें जिंदा जल गए थे। तब से ही महाराष्ट्र की राजनीति में रजाकार भी एक मुद्दा बन गए हैं। माना जा रहा है कि इससे मराठवाड़ा बेल्ट में ध्रुवीकरण भी हो सकता है।

क्या थी घटना, जिसे योगी आदित्यनाथ दिला रहे याद

देश की आजादी के बाद 1947 में करीब 500 रियासतें ऐसी थीं, जिनका भारत में विलय होना था। सभी रियासतों का आसानी से विलय हो गया था, लेकिन जम्मू-कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद को लेकर थोड़ी समस्या थी। हैदराबाद में निजाम का शासन था और वहां थोड़ा विद्रोह भी हुआ। इस पर तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल के आदेश पर ऑपरेशन पोलो चलाया गया। तीन दिन के ऑपरेशन के बाद ही हैदराबाद का भारत में विलय हो गया था। हालांकि इन तीनों में रजाकारों ने जमकर बवाल काटा था। बता दें कि रजाकार निजाम की सेना को कहा जाता था।

रजाकारों ने किन लोगों को बनाया था निशाना

रजाकारों ने उस दौरान भारत में शामिल होने का समर्थन करने वाले आम नागरिकों पर अत्याचार किए थे। इनमें से ज्यादातर लोग गैर-मुस्लिम ही थे, जो हिंसा का शिकार बने। मल्लिकार्जुन खरगे भी एक बार बता चुके हैं कि वह घर के बाहर खेल रहे थे और उनके पिता खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान रजाकारों की भीड़ ने घर पर हमला कर दिया और आग लगा दी। इसमें उनकी मां, बहन और परिवार के अन्य लोग जिंदा जल गए।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना आम जनता को दी जाती है कि स्वर्गीय मणिमेकलाई मनोहरन अपने पति श्री वीरा पांडियन मनोहरन के साथ ई विंग 401, चौथी मंजिल की संयुक्त मालिक थीं, जो यूरोपा नामक इमारत में स्थित है, प्रोजेक्ट कैसाबेला गोल्ड मौजे कटाई, सर्वे नंबर 11/15,11/20,16/0 क्षेत्रफल 800.40 वर्ग फीट निर्मित है, साथ ही एक खुली पार्किंग है जिसका नंबर 2745 है। स्वर्गीय मणिमेकलाई मनोहरन का 06/03/2023 को पेरुंगुडी, चेन्नई में निधन हो गया और वे अपने पीछे 1) वीरा पांडियन मनोहरन और 2) प्रताप पांडयान को एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में छोड़ गए और वे मृतक की उपरोक्त संपत्ति के हिस्से के संबंध में कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में अपना नाम दर्ज कराना चाहते हैं। मैं इस नोटिस के प्रकाशन से 14 दिनों की अवधि के भीतर उपरोक्त संपत्ति में रिलीज डीड के खिलाफ किसी भी दावेदार/आपत्तिकर्ता से दावा/आपत्ति आमंत्रित करता हूं, साथ ही दावे/आपत्ति का समर्थन करने के लिए प्रासंगिक सबूत की प्रतियां भी आमंत्रित करता हूं। यदि उपरोक्त निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा/आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो मेरे ग्राहकों को मृतक की उपरोक्त संपत्ति के हिस्से के संबंध में कानूनी वारिस के रूप में नामांकित होने की स्वतंत्रता होगी। यदि किसी दावेदार को आपत्ति है तो कृपया संपर्क करें

एडवोकेट प्रिया तिवारी
दुकान नंबर 3, महावीर शॉपिंग सेंटर,
लोढ़ा हेवन, डोंबिवली (ई) ठाणे।

संक्षेप...

भीड़ में छात्रा की चेन लेकर भागा चोर

ठाणे. प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही एक छात्रा के अगले से सोने की चैन छीन कर चोर चंपत हो गए. बताया गया कि बस में लगा सीसीटीवी काम नहीं कर रहा हैं जिससे चोरों के हौसले बढ़ गये हैं. ठाणे के रामचन्द्रनगर क्रमांक 1 में रहने वाली एक युवती प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कारने गावदेवी जाने के लिए नितिन सिग्नल के पास टीएमटी बस पर सवार हुई थी. बस में भीड़ का फायदा उठाते चोर सोने की चेन चुरा कर गायब हो गया.

भिवंडी की सभा में दहाड़े ओवैसी

- सपा उम्मीदवार रियाज आज़मी भाजपा की बी टीम
- सपा कर रही भाजपा की मदद

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी पश्चिम सीट पर चुनाव दिलचस्प मोड लेने लगा है। म्हाडा कॉलोनी ग्राउंड पर AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सपा और भाजपा पर तीखे हमले करते हुए नया खुलासा कर वोटरों को सोचने पर मजबूर कर दिया है. प्रत्याशी वारिस पठान की समर्थन सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने समाजवादी पार्टी को भाजपा की 'बी' टीम कहकर सपा को मुस्लिम समाज को धोखा देने वाली वोट कटुआ बताया. चुनावी पारा चढ़ा दिया।

उन्होंने कहा कि, भिवंडी

पश्चिम से एआईएमआईएम का उम्मीदवार खड़ा होते ही सपा ने महाविकास आघाडी का गठबंधन तोड़ा और रियाज आज़मी को मैदान में उतारा जिससे भाजपा को लाभ मिल रहा है. सपा ने भाजपा के साथ भारी 'डीलिंग' कर रखी है.ओवैसी ने कांग्रेस को 'बूढ़ी पार्टी' कहकर मुसलमानों की दुश्मन कहकर लताड़ा.

कांग्रेस और भाजपा को नपुंसक करार देते हुए उन्होंने कहा कि AIMIM नेता वारिस पठान महाराष्ट्र विधानसभा में नई ऊर्जा के साथ अपनी आवाज बुलंद करेंगे जैसे इम्तियाज जलील औरंगाबाद से संसद पहुंचे थे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए ओवैसी ने कहा कि,मोदी भाषण अच्छा देते हैं जिसकी उपयोगिता फिल्म सिटी में है. मुस्लिम वक्फ बोर्ड के मसले पर भी ओवैसी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए कि, काले कानून के माध्यम से मस्जिदों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे है.मुसलमानों के साथ घोर अन्याय हो रहा है. ओवैसी के आक्रामक भाषण ने भिवंडी के चुनावी माहौल में सनसनी फैला दी है. आगामी दिनों में देखना दिलचस्प होगा कि क्या ओवैसी का सपा, भाजपा मिलीभगत का खुलासा मतदाताओं को AIMIM प्रत्याशी पठान को वोट दिलाता है अथवा हिंदुओं को एकजुट कर भाजपा की ताकत बनेगा.

शिवसेना (शिंदे) पार्टी से सात लोगों का निष्कासन

नवी मुंबई. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आखिरकार बेलापुर विधानसभा क्षेत्र से बागी उम्मीदवार विजय नाहटा का समर्थन करने वाले पार्टी के सात प्रमुख पदाधिकारियों को निष्कासित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने रुख अपनाया था कि वह नाहटा के विद्रोह का समर्थन नहीं करेंगे। ठाणे के सांसद नरेश म्हस्के ने भी वाशी की बैठक में इसी तरह के विचार व्यक्त किए थे इसके बाद भी नाहटा का समर्थन करने वाले पदाधिकारियों पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया है.

भिवंडी में भाजपा सहित कांग्रेस के जनाधार में लगी भारी सेंध

- सपा, एमआईएम की लड़ाई से भिवंडी पश्चिम सीट का चुनाव हुआ दिलचस्प

भिवंडी. 10 वर्षों से भाजपा के कब्जे में रही भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट पर चुनाव संग्राम बेहद दिलचस्प दिखाई पड़ने लगा है. बाहरी प्रत्याशी होने से कांग्रेस, एम आईएम चुनाव मेंअस्तित्व की लड़ाई लड़ती दिखाई पड़ रही है वहीं अन्य हिंदू उम्मीदवारों की बदौलत भाजपा के परम्परागत वोटों में भी कमोवेश सेंध लगने से कदापि इंकार नहीं किया जा सकता है. महाविकास आघाड़ी गठबंधन में होने का दावा करने वाली सपा ने भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट से सपा प्रत्याशी उतारकर कांग्रेस की नींव हिलाकर रख दी है जिससे कांग्रेस उम्मीदवार को पसीना छूट रहा है. कांग्रेस के अधिसंख्यक नेता,समर्थक भी बाहरी कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव प्रचार में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाते हुए आर्थिक फायदा की खातिर अन्दर से कांग्रेस के खिलाफ लड़ने वाले प्रत्याशियों को ही मजबूत करने में जुटे हैं. राजनीतिक गणित को माने तो,भिवंडी पश्चिम सीट से चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवारों को हिंदू के साथ ही मुस्लिम मतों का समर्थन हासिल करना जरूरी होगा ताकि चुनावी वैतरणी पार हो की जा सके अन्यथा नैया डूबने से कोई नहीं रोक सकता है.

गौरतलब हो कि भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट पर करीब 2 लाख 32 हजार मतदाता हैं. भाजपा से विधायक महेश चौगुले, कांग्रेस से दयानंद चोरघे, सपा से रियाज आजमी, एमआईएम से वारिस पठान एवं निर्दलीय उम्मीदवार पूर्व महापौर विलास आर पाटिल पूरे दमखम से चुनाव लड़ रहे हैं.

भिवंडी पश्चिम सीट पर करीब 55% मुस्लिम, 45% हिंदू मतदाता हैं. 2014 से भाजपा से महेश चौगुले विधायक हैं जो तीसरी बार हैट्रिक लगाने के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं. 2019 में भाजपा विधायक चौगुले ने एमआईएम प्रत्याशी शेख खालिद गुड्डु को 14,912 वोटों से करारी शिकस्त देकर दुबारा चुनाव जीता था.भिवंडी पश्चिम सीट पर 2014 से 2 बार हुए चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहे शोएब खान गुड्डु को करारी हार का सामना करना पड़ा था.

इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेसी उम्मीद लगाए बैठे थे कि, महाविकास आघाड़ी गठबंधन होने से सभी पार्टियां तय कर एक ही उम्मीदवार को चुनाव में उतारेंगी जिससे जीत काफी आसान हो सकेगी.

कांग्रेस समर्थकों की उम्मीद पर सपा मुखिया अखिलेश यादव एवं विधायक अबू आसिम आजमी ने पानी फेरते हुए गठबंधन को ठेंगा दिखाते हुए रियाज आजमी को प्रत्याशी घोषित कर कांग्रेस के सपने पर पानी फेर दिया है.सपा को भी मुस्लिम के साथ ही हिंदू मतों के मिलने की आस है.

भिवंडी पश्चिम सीट के वोटरों के गणित को माने तो, चुनाव में हिंदू के साथ ही मुस्लिम वोट भारी निर्णायक भूमिका अदा करता है जिसके लिए सभी पार्टियों के उम्मीदवार मुस्लिम वोटरों पर डोरे डालते दिखाई पड़ते हैं.

जागरूक वोटरों की माने तो भाजपा को हिंदुत्व के नाम पर एकमुश्त मिलने वाला हिंदू वोट भी अब चुनाव में खड़े निर्दलीय मजबूत प्रत्याशी पूर्व महापौर विलास आर पाटिल एवं कांग्रेस के दयानंद चोरघे की तरफ कुछ हद तक खिसक सकता है.10 वर्षों के बाद 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के परम्परागत हिंदू वोटों में भारी सेंध लगने से भाजपा में भी बेचैनी साफ देखी जा रही है. चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशी हिंदू मतों के साथ ही मुस्लिम मतों पर भी डोरे डालने में भारी कसरत कर रहे हैं.

पहले ये किया, अब ये करेंगे

विलास आर पाटिल का जनता से वादा

भिवंडी. भिवंडी पश्चिम निर्दलीय प्रत्याशी विलास आर पाटिल का दावा है कि, 30 वर्षों से मनपा जनप्रतिनिधि रहते हुए जनहित कार्य कर रहा हूं अब और भी तेजी से विकास को गति दूंगा.अब तक 5 प्रभागों में स्वास्थ्य केंद्र, पुलिस भर्ती प्रशिक्षण के लिए प्रहार अकैडमी, 12 कम्युनिटी हॉल, मनपा स्कूलों में मिड डे मील, यातायात सुधार के लिए राजीव गांधी, डा. एपीजे अब्दुल कलाम,

स्व.हिंदू हृदय सम्राट बाला साहब ठाकरे उड़ानपुल निर्माण, ओपन जिम, नाना नानी पार्क, आधुनिक बस स्टॉप,स्व.मीनाताई ठाकरे रंगायतन आदि की गवाह खुद भिवंडी की जनता है.अब चुनाव जीतने पर भिवंडी के लिए पहले मेडिकल, इंजीनियरिंग कॉलेज, केंद्रीय जवाहर नवोदय विद्यालय, नीट परीक्षा की तैयारी हेतु मुफ्त कोचिंग सेंटर, यूपी, एमपीएससी प्रतियोगी परीक्षा शिक्षण हेतु मुफ्त कोचिंग सेंटर, सार्वजनिक वाचनालय,सुविधा लैस आगरी कोली भवन, छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा सुशोभीकरण,भगवान गौतम बुद्ध स्तूप, प्लास्टिक कचरामुक्त योजना,हर घर नल, सभी संप्रदाय की स्मशान भूमि, कब्रिस्तानों का नवीनीकरण, गंभीर बीमारियों का मुफ्त इलाज हेतु वित्तीय हेल्प सेंटर जैसे जनहित मुद्दों का समाधान लोकप्रिय प्रत्याशी विलास आर पाटिल की प्राथमिकता है.विलास आर के समर्थन का ग्राफ तेजी से बढ़ने से सभी जाति,धर्म के समर्थकों में भारी उत्साह है.

तलवार से पड़ोसी की हत्या का प्रयास, मामला दर्ज

भिवंडी. ठाणे पुलिस ने भिवंडी के खरबाव गांव निवासी दर्पण पाटिल पर अपने पड़ोसी 42 वर्षीय प्रेमनाथ मंधवी की हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। यह मामला पैसों के लेन-देन के विवाद में दर्ज किया गया है। 8 नवंबर को जब मंधवी गांव की मुख्य सड़क पर चल रहे थे, तो पाटिल ने पीछे से उन पर तलवार से हमला कर दिया और तब तक हमला करता रहा, जब तक कि उनकी पत्नी ने बीच-बचाव नहीं किया।

गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें इंदिरा गांधी सरकारी अस्पताल ले जाया गया और बाद में एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने जानलेवा हमले की सीसीटीवी फुटेज बरामद की है और पाटिल को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

पुलिस के अनुसार, पत्थर सप्लाई का व्यवसाय करने वाले मंधवी ने करीब डेढ़ साल पहले पाटिल की पत्नी मनीषा से 15,000 रुपये उधार लिए थे। हालांकि, उन्होंने पिछले साल कर्ज चुका दिया था, लेकिन पाटिल ने उन पर बकाया ब्याज न चुकाने का आरोप लगाया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी।पुलिस द्वारा बरामद सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि 8 नवंबर को पाटिल ने सड़क पर चलते समय मांधवी पर तलवार से हमला किया।

जब मांधवी जमीन पर गिर पड़े, तब भी वह उन पर तब तक हमला करता रहा, जब तक कि व्यवसायी की पत्नी अपने पति को बचाने के लिए मौके पर नहीं पहुंच गई।इसके बाद, भिवंडी तालुका पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 109 और 352 और शस्त्र अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया।भिवंडी तालुका पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, ₹पुलिस अधिकारियों की एक टीम सक्रिय रूप से आरोपी की तलाश कर रही है, जबकि पीड़ित ने उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। हम पीड़ित की पत्नी का बयान दर्ज कर रहे हैं।₹

मानव जंजीर के माध्यम से मतदान के लिए जनजागृति

ठाणे. मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए व अधिक से अधिक मतदान करवाने के लिए नागरिकों को लोकतंत्र के अधिकार उपयोग करें इसलिए स्वीप के माध्यम से 149 कलवा मुंब्रा विधानसभा चुनाव में जनजागृति किया गया।स्वीप ने मानव जंजीर

का आयोजन किया।इस कार्यक्रम में स्कूली छात्र,शिक्षक व नागरिकों ने हिस्सा लिया।शिक्षक ने उपस्थित सभी लोगों को मतदान करने के लिए आवाहन किया।हमारा मतदान हमारा अधिकार मैं मतदान अवश्य करूंगा आओ हमसब मिलकर अपना फर्ज निभाए।इस समय उपस्थित सभी लोगों ने मतदान करने के लिए शपथ लिया।

मतदान केंद्र पर मोबाईल, इलेक्ट्रॉनिक सामान की मनाई

ठाणे. 20 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक जिला के 18 विधानसभा चुनाव क्षेत्र में कुल 6 हजार 955 मतदान केंद्रों पर मतदान की प्रक्रिया होगी।मतदान केंद्र पर मोबाईल, इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर प्रवेश करने के लिए शख्त मनाई है यह आदेश चुनाव आयोग ने दिया है। इसकी जानकारी जिलाधिकारी अशोक शिनगारे ने दिया। मतदान केंद्र पर अपना परिचय पत्र लेकर जाना आवश्यक है। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदान केंद्र पर आधार कार्ड, मनरेगा पत्र, बैंक पास बुक,स्वास्थ्य कार्ड, पेन कार्ड, विमा कार्ड, लिमिटेड कंपनी के पहचान पत्र, संसद सदस्य, विधानसभा सदस्य, विधानपरिषद सदस्य का परिचय पत्र पहचान पत्र मान्य है।

ठाणे जिले की 6 सीटों पर शिवसेना बनाम शिवसेना

- 'कमल' के खिलाफ तीन स्थानों पर 'तुतारी'

ठाणे. मुख्यमंत्री के ठाणे जिले में करीब छह जगहों पर शिवसेना बनाम शिवसेना की लड़ाई देखने को मिल रही है. तुतारी बनाम कमल का मुकाबला तीन जगहों पर होगा. दो निर्वाचन क्षेत्रों में एनसीपी बनाम एनसीपी मुकाबला होने जा रहा है. पार्टी विभाजन के बाद इस चुनाव में आमने-सामने का मुकाबला देखने को मिला है।

ठाणे जिले में कुल 18 विधानसभा क्षेत्र हैं। यह पूरे राज्य में मुंबई के बाद सबसे अधिक निर्वाचन क्षेत्र है। कोपरी-पचपखाडी में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बनाम केदार दिघे, कल्याण ग्रामीण में पूर्व विधायक सुभाष भोईर बनाम शिंदे की शिवसेना के राजेश मोरे और मनसे के राजू पाटिल, कल्याण पश्चिम में शिंदे की शिवसेना के विश्वनाथ भोईर बनाम उबाठा के सचिन वासारे,

भिवंडी ग्रामीण में शिंदे की शिव सेना के शांताराम मोरे बनाम ठाकरे की शिव सेना के महादेव घाटाल, ओवला माजीवाड़ा में शिंदे की शिवसेना के प्रताप सरनाईक विरुद्ध शिवसेना उबाठा के नरेश मणेरा, वहीं अंबरनाथ में शिंदे की शिव सेना के बालाजी किनिकर बनाम उबाठा के राजेश वानखेड़े के बीच भिड़ंत देखने को मिलेगी।

मुंब्रा-कलवा निर्वाचन क्षेत्र में राकांपा और राकांपा के बीच लड़ाई में शरद पवार समूह के जीतेंद्र

आव्हाड़ का मुकाबला अजित पवार समूह के नजीब मुल्ला से है. वहीं शाहपुर के दौलत दरोदा और पांडुरंग बरोरा जैसे दो निर्वाचन क्षेत्रों में शरद पवार की राकांपा और अजित पवार की राकांपा आमने-सामने हैं।

ठाणे शहर में भाजपा के संजय केलकर का मुकाबला उबाठा के राजन विचारे से है। ऐरोली में गणेश नाइक के खिलाफ ठाकरे सेना के मनोहर मढवी मैदान में हैं. इस सीट पर शिंदे सेना के विजय चौगुले बगावत पर उतर आए हैं. ताकतवर उम्मीदवार के बागी होने से गणेश नाइक को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. तीसरा निर्वाचन क्षेत्र डोंबिवली निर्वाचन क्षेत्र है, जहां ठाकरे की शिवसेना के दीपेश म्हात्रे भाजपा नेता रवींद्र चव्हाण के खिलाफ मैदान में हैं। बीजेपी के खिलाफ ठाकरे की शिवसेना सबका ध्यान खींच रही है.

बीजेपी इस जिले की 9 सीटों बेलापुर, ऐरोली, ठाणे सिटी, मुरबाड, कल्याण पूर्व, मीरा-भाइंदर, उल्हासनगर, भिवंडी पश्चिम, डोंबिवली पर चुनाव लड़ रही है। शिंदे की शिवसेना 7 सीटों कोपरी पचपखाड़ी, ओवला मजीवाड़ा, कल्याण ग्रामीण, कल्याण पश्चिम, भिवंडी ग्रामीण, अंबरनाथ, भिवंडी पूर्व सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जबकि अजित पवार की एनसीपी 2 सीटों कलवा-मुंब्रा और शाहपुर पर चुनाव लड़ रही है। ठाणे शहर, कोपरी पचपखाड़ी, ओवला मजीवाड़ा, ऐरोली, कल्याण ग्रामीण, कल्याण पश्चिम, डोंबिवली, कल्याण पूर्व, भिवंडी ग्रामीण, अंबरनाथ जैसी 10 सीटों पर ठाकरे की शिवसेना माविया से चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ठाणे जिले में 2 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस मीरा-भाइंदर और भिवंडी पश्चिम सीटों पर चुनाव लड़ रही है और शरद पवार की एनसीपी 5 सीटों मुंब्रा-कलवा, शाहपुर, बेलापुर, उल्हासनगर, मुरबाड पर चुनाव लड़ रही है। जबकि समाजवादी पार्टी को भिवंडी पूर्व की सीट दी गई है.

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह को हत्या की धमकी

- कॉल करने वाले ने कहा- दो दिन में 50 लाख दो; नहीं तो जान से मार देंगे

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह से 50 लाख की रंगदारी मांगी गई है। दो दिन के अंदर रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। जानकारी के मुताबिक, अक्षरा के मोबाइल पर 11 नवंबर की रात एक मिनट के अंदर दो अलग-अलग नंबर से कॉल आए और रंगदारी मांगने वाले ने एक्ट्रेस के साथ गाली-गलौज की।

धमकी देने वाले ने कहा, 'दो दिन का वक्त है, 50 लाख रुपए भेजो। रकम नहीं मिली तो जान से मार देंगे।'

वहीं, धमकी के बाद अक्षरा सिंह ने अपने एक करीबी को लिखित आवेदन देकर दानापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज ने बताया कि लिखित आवेदन मिला है। पुलिस जांच कर रही है। जांच के बाद केस दर्ज किया जाएगा।

भोजपुरी इंडस्ट्री में जाना-माना नाम हैं अक्षरा सिंह

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत रवि किशन के साथ फिल्म 'सत्यमेव जयते' से की थी। उन्होंने 'सत्या', 'तबादला', 'मां तुझे सलाम' जैसी कई हिट फिल्मों में भी काम किया है। साथ ही कई सुपरहिट गाने भी गाए हैं। अक्षरा सिंह रिएयलिटी शो 'बिग बॉस' का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

साइबर स्कैमर्स ने लोगों को ठगने का एक नया तरीका खोज निकाला

मुंबई. साइबर स्कैमर्स ने लोगों को ठगने का एक नया तरीका खोज निकाला है - उन्हें ऐसे लोन दिलवाए जा रहे हैं, जो उन्होंने कभी लिए ही नहीं। पुलिस ने बताया कि जालसाज कभी-कभी अपने शिकार को भारी मुनाफे का लालच देते हैं, डिजिटल अरेस्ट और दूसरे तरीकों से उन्हें ब्लैकमेल करते हैं या सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के ज़रिए अपने शिकार के फोन तक पहुँच प्राप्त कर लेते हैं। वे अपने शिकार के नाम पर पर्सनल लोन लेने के लिए जो संवेदनशील जानकारी जुटाते हैं, उसका इस्तेमाल करते हैं और अपने शिकार से पैसे अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवा लेते हैं। उनके शिकार में कुर्ला की 20 वर्षीय महिला भी शामिल है, जिसके पिता टैक्सी चलाते हैं और भाई छोटे-मोटे काम करते हैं। इस तरीके का इस्तेमाल करके उसने 20 लाख रुपये गंवाए, जबकि दक्षिण मुंबई के एक प्रोफेसर ने 16 लाख रुपये गंवाए।

साइबर क्राइम सेल की पुलिस ने बताया कि कुर्ला की महिला सोशल मीडिया पर एक विज्ञापन का शिकार हुई, जिसमें ऐप के ज़रिए शेयर बाज़ार में निवेश करने पर बढ़िया रिटर्न का वादा किया गया था। जैसे-जैसे ऐप पर उसके कथित मुनाफे में वृद्धि दिखाई देने लगी, वह व्यक्तिगत ऋण लेकर, रिश्तेदारों से पैसे उधार लेकर और यहां तक कि परिवार के कुर्ला स्थित घर को गिरवी रखकर अतिरिक्त निवेश करती रही। जब उसका मुनाफा 2 करोड़ पर पहुंच गया, तो महिला ने संकेत दिया कि वह पैसे निकालना चाहती है। उसे बताया गया कि वह अपने निवेश के ₹20 लाख पर पहुंचने के बाद ही ऐसा कर सकती है। जब धोखेबाजों ने और अधिक पैसे मांगे, तो महिला ने पुलिस से संपर्क किया।

एक अन्य मामले में, 40 के दशक की एक प्रोफेसर भारतीय रिजर्व बैंक और अपने स्थानीय बैंक के चक्कर लगा रही थी। जल्द ही, उसे एक कॉल आया, जिसमें दावा किया गया कि उसके आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे दस्तावेजों का इस्तेमाल आतंकवादियों ने धन शोधन के लिए किया है। धोखेबाजों ने स्काइप कॉल पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारी होने का दावा किया, जिन्होंने डरी हुई महिला से कहा कि वह उन्हें अपने दस्तावेज भेजें ताकि वे उन्हें सत्यापित कर सकें। उसने अपने नेट बैंकिंग खाते के स्क्रीनशॉट भी साझा किए, जब धोखेबाजों ने कहा कि वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वह झूठ नहीं बोल रही है, अन्यथा वे उसे गिरफ्तार कर लेंगे।

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

चुनाव को लेकर पनवेल में पुलिस का रूट मार्च

- शांतिपूर्वक मतदान कराने की अपील

नवी मुंबई. विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में पनवेल शहर पुलिस की ओर से शहर के विभिन्न इलाकों में रूट मार्च किया गया और शांतिपूर्वक मतदान कराने की अपील की गई. पनवेल शहर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नितिन ठाकरे के मार्गदर्शन में पनवेल बस डिपो, लाइन अली, जोशी अली, आदर्श होटल, जय भारत नाका, विरुपाक्ष मंदिर, कपड़ा बाजार, पनवेल मनपा, वाल्मीक नगर, परदेशी अली होते हुए उक्त रूट मार्च निकाला गया.

पुलिस की टीम द्वारा पनवेल शहर पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले नित्यानंद मार्ग, साईं नगर, नवनाथ नगर, आजाद नगर, लक्ष्मी नगर स्लम, पनवेल रेलवे स्टेशन क्षेत्र, तक्का गांव, रेलवे कॉलोनी आदि क्षेत्रों में भी रूट मार्च किया. इस रूट मार्च में जीपी, पुलिस इंस्पेक्टर, सहायक पुलिस इंस्पेक्टर, पुलिस सब-इंस्पेक्टर, पुलिस कांस्टेबल आदि ने भाग लिया. रूट मार्च के दौरान पुलिस की टीम ने क्षेत्र के महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों के साथ-साथ चुनाव से संबंधित महत्वपूर्ण स्थानों का दौरा किया और वहां की स्थिति के बारे में नागरिकों से जानकारी ली.

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
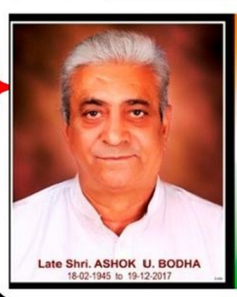
Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099